


Sr. No.	Particular	Remarks
1	Date / दिनांक	05-09 Nov 2024
2	Name of Activity/	Census of Blue Sheep and Musk Deer's
3	Name of Unit/Agency/Department Organizing the Activity	Mountaineering, Trekking & Adventure Club
4	Name of Collaborating Agency (If Any)	GHNP Kullu H.P Guardians of National Heritage Cell
5	No. of Student Participants	12
6	No. of Teacher Participants	2
7	Brief Report संक्षिप्त प्रतिवेदन	<p style="text-align: center;">NEWS TOPICAL LIVE</p> <p style="text-align: center;">12 नवम्बर 2024 मंगलवार  सैज, बंजार, आनी, कुल्लू, मनाली</p> <p style="text-align: center;">राजकीय महाविद्यालय सैज के विद्यार्थियों ने ग्रेट हिमालयन नैशनल पार्क द्वारा वन्य प्राणी गणना में भाग लेकर की एक सराहनीय पहल :</p>  <p style="text-align: center;">ग्रेट हिमालयन नैशनल पार्क क्षेत्र में लिया गया सामुहिक फोटो</p> <p>खेमचंद सोनी</p> <p>न्यूज़ टोपीकल लाइव/सैज : राजकीय महाविद्यालय सैज के विद्यार्थियों ने ग्रेट हिमालयन नैशनल पार्क द्वारा आयोजित वन्य प्राणी गणना में भाग लेकर एक सराहनीय पहल की है। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से मस्क डियर और ब्लू शीप जैसे दुर्लभ वन्य प्राणियों की गणना की गई। जिसमें महाविद्यालय के प्रो सुरेश कुमार , प्रो प्रदीप कुमार और 14 विद्यार्थियों, जिसमें 10 छात्र और 4 छात्राएं शामिल थीं, ने हिस्सा लिया। गणना अभियान के तहत विद्यार्थियों को चार समूहों में विभाजित किया गया था, जिन्होंने जीव संचुरी, डेला, बहली थाच और रक्तिसर जैसे स्थानों पर जाकर ब्लू शीप, मस्क डियर, ब्राउन बियर आदि प्रजातियों के वन्य प्राणियों की गणना की। इस कार्य में वन विभाग के वन संरक्षकों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और उन्हें विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों, वनस्पतियों, जड़ी-बूटियों और जीव-जंतुओं के बारे में गहन जानकारी प्रदान की। यह कार्यक्रम 5 दिन तक चला, जिसमें विद्यार्थियों को प्रकृति और वन्य जीवों को निकट से समझने का अवसर प्राप्त हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्य, डॉ. सुजाता, ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम से विद्यार्थियों को ग्रेट हिमालयन नैशनल पार्क के समृद्ध जैव विविधता और पारिस्थिति के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा, जो भविष्य में उनके रोजगार के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के अनुभवों से विद्यार्थियों का न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ती है, बल्कि यह उन्हें प्रकृति के साथ जुड़ने का अवसर भी प्रदान करता है।</p>

